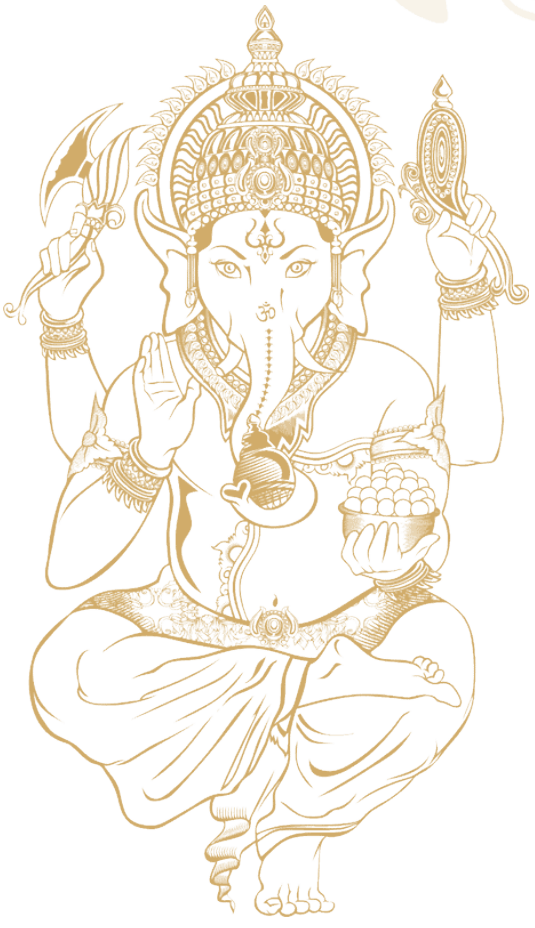

Kshitij

Parul

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120857301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120857301 Date: 07/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/10/1991	जन्म तिथि	22/11/1992
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 22:10:00	जन्म समय	16:15:00 घंटे
घटी 39:11:07	जन्म समय(घटी)	23:30:19 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Khurja
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	28:15:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:18:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:33	सूर्योदय	06:46:23
17:37:42	सूर्यास्त	17:23:09
23:44:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:44

मिथुन	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मिथुन	राशि	तुला
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
मृगशिरा	नक्षत्र	स्वाति
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	2
शिव	योग	सौभाग्य
तैतिल	करण	वणिज
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सर्प	योनि	महिष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 6मा 4दि		21:51:20	मिथु	लग्न	मेष	17:55:20	राहु 10वर्ष 9मा 14दि	
गुरु		10:00:51	तुला	सूर्य	वृश्चि	06:37:49	शनि	
02/05/2010		05:41:22	मिथु	चंद्र	तुला	12:00:25	07/09/2019	
02/05/2026		13:39:49	तुला	मंगल	कर्क	03:34:33	07/09/2038	
गुरु	19/06/2012	25:00:09	तुला	बुध व	वृश्चि	05:23:11	शनि	10/09/2022
शनि	01/01/2015	15:00:51	सिंह	गुरु	कन्या	14:33:38	बुध	20/05/2025
बुध	08/04/2017	23:36:54	सिंह	शुक्र	धनु	16:55:28	केतु	29/06/2026
केतु	15/03/2018	06:52:16	मक	शनि	मक	19:13:11	शुक्र	29/08/2029
शुक्र	13/11/2020	18:30:12	धनु व	राहु व	वृश्चि	27:48:55	सूर्य	11/08/2030
सूर्य	01/09/2021	18:30:12	मिथु व	केतु व	वृष	27:48:55	चन्द्र	11/03/2032
चन्द्र	01/01/2023	16:42:20	धनु	हर्ष	धनु	21:45:57	मंगल	20/04/2033
मंगल	08/12/2023	20:30:49	धनु	नेप	धनु	23:14:56	राहु	25/02/2036
राहु	02/05/2026	25:53:14	तुला	प्लूटो	तुला	29:24:17	गुरु	07/09/2038

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:49 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:44

लग्न-चलित

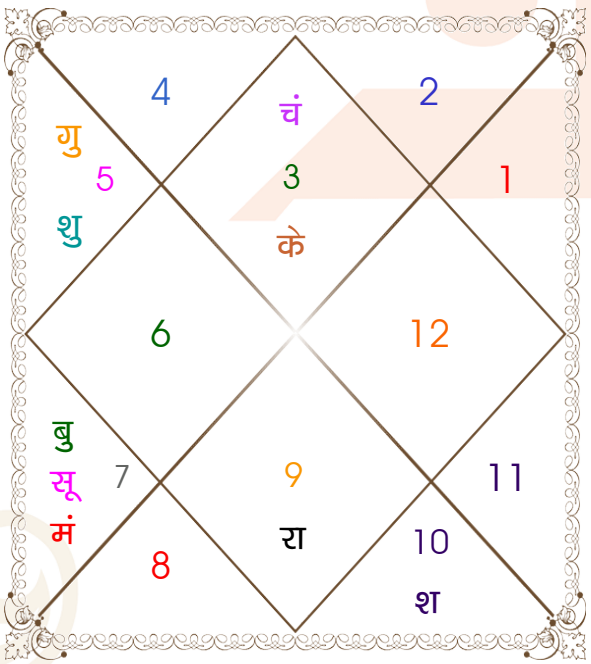

लग्न-चलित

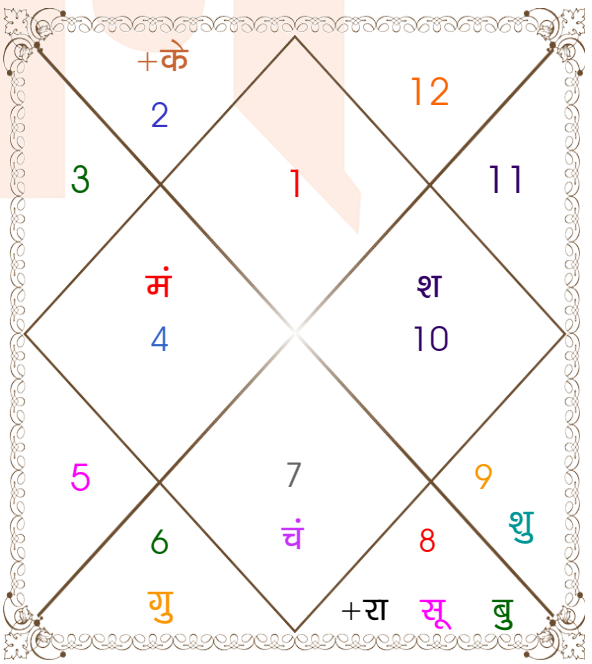

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

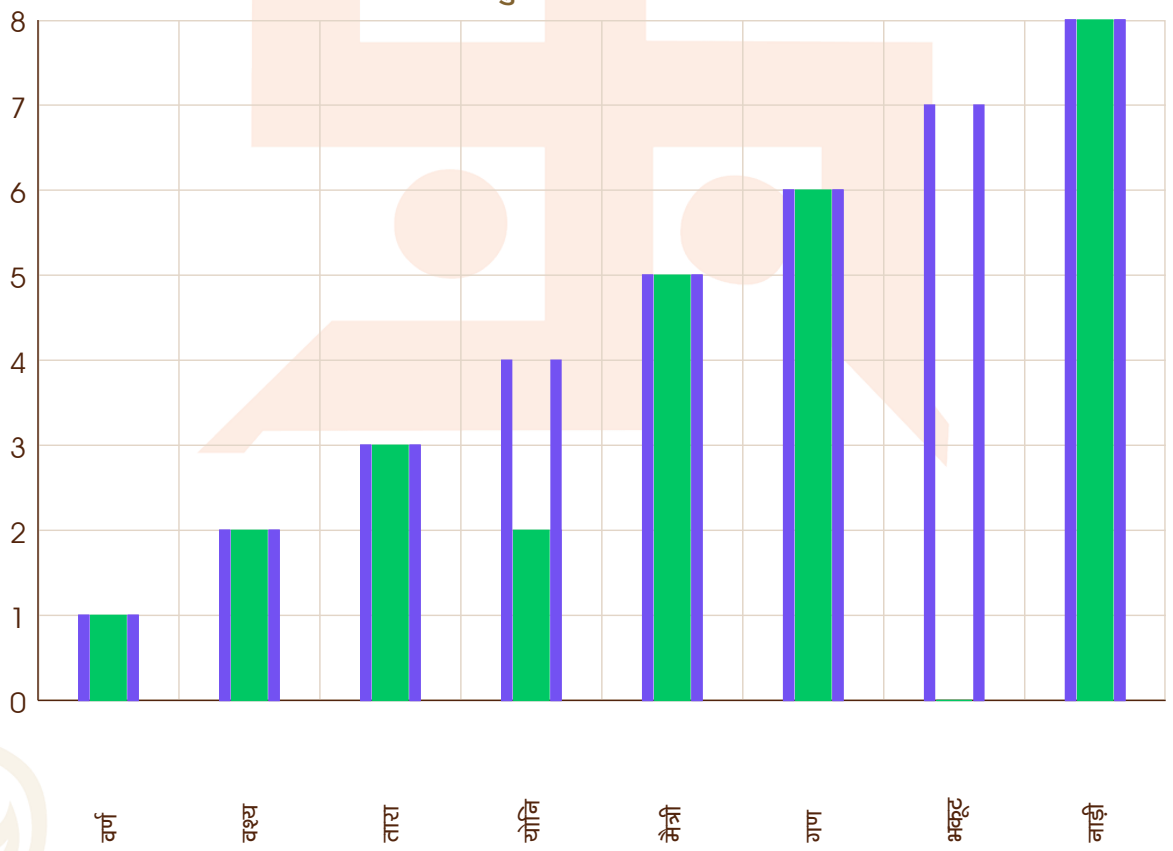

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

झींपजपर का वर्ग मार्जार है तथा चंतनस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झींपजपर और चंतनस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

झींपजपर मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

चंतनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल चंतनस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;थ्डत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल चंतनस कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झींपजपर तथा चंतनस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

झींपजपर का वर्ण शूद्र है तथा च्तनस का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

झींपजपर का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं च्तनस का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। झींपजपर एवं च्तनस दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

झींपजपर की तारा अतिमित्र तथा च्तनस की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। झींपजपर हमेशा च्तनस के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

झींपजपर की योनि सर्प है तथा च्तनस की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में झींपजपर एवं च्तनस दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि झींपजपर एवं च्तनस के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण झींपजपर एवं च्तनस जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

झींपजपर का गण देव तथा च्तनस का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

झींपजपर से च्तनस की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा च्तनस से झींपजपर की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण च्तनस को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

झींपजपर की नाड़ी मध्य है तथा चंतनस की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण झींपजपर एवं चंतनस के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

झींपजपर की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा चंतनस की राशि वायु तत्व युक्त तुला राशि है। वायुतत्व की वायु तत्व से मित्रता एवं समानता नैसर्गिक रूप से होती है। अतः झींपजपर और चंतनस में स्वभावगत समानताएं रहेंगी। अतः इनके संबधों में प्रगाढ़ता होगी जिससे झींपजपर और चंतनस का दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा

झींपजपर का राशि स्वामी बुध तथा चंतनस का राशि स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः झींपजपर और चंतनस के प्रति परस्पर मतभेदों तथा विवादों की न्यूनता रहेगी तथा परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे एवं दोषों की उपेक्षा करेंगें इस प्रकार से दोनों एक दूसरे को पूर्ण सुख, सहयोग एवं सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

झींपजपर और चंतनस की राशि एक दूसरे से पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से झींपजपर ओर चंतनस के मध्य मतभेद उत्पन होगें तथा दोनों की स्वाभिमानी प्रवृति के कारण संबंधों में अल्प समय के लिए तनाव उत्पन हो सकता है परन्तु बुद्धिमता से ऐसी परिस्थितियों का सामना करके ये मतभेदों को दूर करने में समर्थ रहेंगे।

झींपजपर एवं चंतनस दोनों का वश्य मानव है। अतः आपकी परस्पर अभिरूचियों में समानता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समान आवश्यकताए होंगी जिससे कामसबंधों मे एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने मे समर्थ रहेगें इससे झींपजपर और चंतनस का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं संबधों मे मधुरता रहेगी।

झींपजपर और चंतनस दोनों का वर्ण शुद्र है अतः दोनों की रूचि एवं कार्यक्षमता समान रहेगी फलतः कार्यक्षेत्र में यथोचित उन्नति एवं सफलताएं अर्जित करेगें ।

धन

झींपजपर का जन्म अतिमित्र तथा चंतनस का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से चंतनस एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा चंतनस के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार झींपजपर और चंतनस आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

झींपजपर और चंतनस को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति

की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

झींपजपर की नाड़ी मध्य तथा चंतनस की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से झींपजपर का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए झींपजपर को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से झींपजपर और चंतनस को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। चंतनस सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे झींपजपर और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

झींपजपर और चंतनस की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से झींपजपर और चंतनस अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर झींपजपर और चंतनस का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

चंतनस के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से चंतनस किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। चंतनस के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे

लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से चंतनस को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा चंतनस को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से चंतनस के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार चंतनस के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

झींपजपर की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर झींपजपर सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन झींपजपर ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का झींपजपर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।